



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	10.07.2020	04	01-06

**सलाह** • एचएयू के कुलपति ने किसानों से धन की सीधी रोपाई करने का आह्वान किया, कुलपति ने वैज्ञानिकों के साथ किया विचार-विमर्श 'मेरा पानी व मेरी विरासत' को उपयोगी बनाने में मददगार साहित होगी धन की सीधी बिजाई, किसान इसी तकनीक को अपनाएँ : प्रो. केपी सिंह

भारत दूता | हिसार

से विचार-विमर्श कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'मेरा पानी, मेरी विस्तृत व प्रदेश में भूजल के गिरते स्तर व चिराज प्रवासी मजदूरों की समस्या को ध्यान में लेकर प्रदेश सरकार की योजना खड़े हुए किसानों द्वारा कानूनी क्षेत्रफल 'मेरा पानी व मेरी विरासत' को सार्थक में धन की विभिन्न किस्मों की सीधी सिद्ध करने में धन की सीधी बिजाई बिजाई की गई है। किसानों ने धन की मददगार साहित होगी। उक्त विचार सीधी बिजाई प्रदेश के कृषि एवं किसान चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि कल्याण विभाग व विवि के समय विज्ञान विभाग के वरिष्ठ तकनीकी के लिए किसानों द्वारा बार-बार खेत की सिंचाई करने पर खरपतवारों की में चूहों की समस्या ज्ञादा भी केंद्री सिंह ने किसानों से धन की सीधी प्रो. सिंह ने बताया कि फतेहबाद जिले ने धन की सीधी बिजाई करने वाले किसानों के खेतों का मिरीक्षण काफी किसानों ने प्रवासी मजदूरों की आसानी की उपलब्धता होने से सीधी बिजाई खाले खेतों के कद् रोपाई करने का आह्वान करते हुए व्यक्त कि। वे धन की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों में लगभग 1200 एकड़ भूमि में धन की सीधी बिजाई की गई है।

वैज्ञानिकों की टीम ने किया खेतों का दौरा, समस्या निदान की दी सलाह

एचएयू के सत्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतवीर सिंह पूनिया, कृषि एवं किसान कल्याण राज्या से पूनिया ने बताया कि केवल टोहाना डॉ. सुखविन्दर दंदीबाल, वैज्ञानिक डॉ. टॉडमल पूनिया व सम्य विज्ञान विभाग के वरिष्ठ तकनीकी के लिए किसानों द्वारा बार-बार खेत की सिंचाई करने पर खरपतवारों की देखने को मिला, जिसके नियंत्रण देखने के बाद बारिश आने व कंड तोड़ने समस्या पैदा हुई थी। इसके क्षेत्र के काफी किसानों ने प्रवासी मजदूरों हेतु कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों का विभिन्न रसायनिक व पारम्परिक करके खरपतवारों द्वारा उनका विधियों के बारे में जानकारी दी गई। नियंत्रण करें।

करके धन की पर्नीरी लगा दी है। इसके अलावा प्रदेश सरकार द्वारा धन की परती व गेहूं का नाड़ जलाने पर प्रतिबंध लगाने की वजह से गेहूं व धान की फसल में समय नुकसान हो जाता है। इसके बाद वैज्ञानिकों ने बताया कि धन की सीधी बिजाई में खरपतवारों द्वारा सबसे बड़ा कारण है बिजाई के 25-30 दिन बाद काफी खरपतवार उग जाते हैं। इसलिए किसान समय रहते इन खरपतवारों को पहचान करके खरपतवारों द्वारा उनका



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	10.07.2020	09	03-08

**कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किसानों से धन की सीधी रोपाई करने का आह्वान किया**

# ਮੇਹਾ ਪਾਨੀ ਮੇਰੀ ਵਿਦਾਤਾ ਕੋ ਸਾਬਿਤ ਕਏਗੀ ਧਾਨ ਕੀ ਸੀਧੀ ਬਿਜਾਈ

हरिगमि न्यूज ►| हिसार

प्रदेश में भूजल के गिरतेस्तर तथा रिचार्ज को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेरा पानी मेरी विरासत व प्रवासी मजदूरों

■ धन की सीधी विजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले पैज़ानिकों से विचार-विमर्श किया

**हक्की कुलपाति** फतेहाबाद जिले के गतिया, भूना, फतेहाबाद व टोहाना क्षेत्रों में प्रो. केपी सिंह ने किसानों से धन की सीधी रोई करने का आह्वान करते हए व्यक्त किए। वे धन की सीधी लागत 1200 एकड़ रुपये में धन की सीधी बिजाई की गई है।

वैज्ञानिकों की टीम ने  
किया खेतों का दैरा

हक्कीवि के सत्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सत्तरार सिंह पूर्णिया, क्रीष्ण एवं किसान कल्याण रत्नाया से डॉ. सुखाविन्दर दंदीबाल, वैज्ञानिक डॉ. टोडर मल पूर्णिया व सत्य विज्ञान विभाग के वरिष्ठ तकनीकी मध्याध्यक्ष मनजनेत जाहाङ्गीर की टीम ने

धन की सीधी बिजाई किए गए किसानों के खेतों का निरीक्षण किया। सत्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतवीर सिंह पूर्णिया ने बताया कि केवल टोहाना के कुछ क्षेत्रों में बिजाई के तुरन्त बढ़ बारिश आने तथा कारंड तोड़ने के लिए

किसानों द्वारा बार-बार खेत की सिंचाई करने पर खुफतवारों की समस्या पैदा हुई थी। इस क्षेत्र के काफी किसानों ने प्रवासी मजदूरों की आसानी की उपलब्धता होने से सीधी बिजाई वाले खेतों के कहूँ करके धन की पर्दी लगा दी है।

## खटपतवारों पर नियंत्रण करना चाही

A photograph of a rice field under a clear blue sky. The field is divided into several long, narrow plots by paths. Each plot contains young rice plants growing in distinct vertical rows. In the background, there are some trees and utility poles.

हिसार। सीधी बिजाई द्वारा बोई गई धान की फसल।

फोटो : हरिभगि

रहते इन खरपतवारों की पहचान करके खरपतवासनाई द्वारा उनका नियंत्रण करें। अगर खरपतवासनाशियों के सही समय तथा मात्रा का उपयोग करने के साथ काश के सही ढंग अपनाए जाएं तो खरपतवारों के सही रोकथाम हो जाता है तथा धान की पैदावार कड़ करके लगाई गई धान के बराबर हो होती है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	10.07.2020	04	03-05

### ‘मेरा पानी, मेरी विरासत’ को साबित करने में मददगार साबित होगी धान की सीधी बिजाई : कुलपति

हिसार, 9 जुलाई (ब्यूरो) : प्रदेश में भूजल के गिरते स्तर व रिचार्ज को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए नारे ‘मेरा पानी, मेरी विरासत’ को सार्थक सिद्ध करने में धान की सीधी बिजाई मददगार साबित होगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के. पी. सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान करते हुए व्यक्त किए। वे धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि ‘मेरा पानी, मेरी विरासत’ व प्रवासी मजदूरों की समस्या को ध्यान में रखते हुए किसानों द्वारा काफी क्षेत्र में धान की विभिन्न किस्मों की सीधी बिजाई की गई है। उन्होंने बताया कि किसानों ने धान की सीधी बिजाई प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय के सभ्य विज्ञान विभाग की देखरेख में की है। प्रोफेसर के. पी. सिंह ने बताया कि फतेहाबाद जिले के रतिया, भूना, फतेहाबाद व टोहाना क्षेत्रों में लगभग 1200 एकड़ भूमि में धान की सीधी बिजाई की गई है।

वैज्ञानिकों की टीम ने किया खेतों का दौरा, समस्या निदान की दी सलाह : चौधरी चरण सिंह

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभ्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर सिंह पूनिया, कृषि एवं किसान कल्याण रतिया से डॉ. सुखविंदर दंदीवाल, वैज्ञानिक डॉ. टोडर मल पूनिया व सभ्य विज्ञान विभाग के वरिष्ठ तकनीकी सहायक मनजीत जाखड़ की टीम ने धान की सीधी बिजाई किए गए किसानों के खेतों का निरीक्षण किया। सभ्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर सिंह पूनिया ने बताया कि केवल टोहाना के कुछ क्षेत्रों में बिजाई के तुरन्त बाद बारिश आने व करंड तोड़ने के लिए किसानों द्वारा बार-बार खेत की सिंचाई करने पर खरपतवारों की समस्या पैदा हुई थी।

इस क्षेत्र के काफी किसानों ने प्रवासी मजदूरों की आसानी उपलब्धता के कारण सीधी बिजाई वाले खेतों को कटदू करके धान की पनीरी लगा दी है। इसके अलावा प्रदेश सरकार द्वारा धान की पराली व गेहूं का नाड़ जलाने पर प्रतिबन्ध लगाने की वजह से गेहूं व धान की फसल में सभ्य क्रियाओं में बदलाव से कुछ खेतों में चूहों की समस्या ज्यादा भी देखने को मिली, जिसके नियंत्रण हेतु कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को विभिन्न रसायनिक व पारम्परिक विधियों के बारे में जानकारी दी गई।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	10.07.2020	03	03

### उत्तरी हरियाणा में आज और कल भारी बारिश के आसार

रोहतक/हिसार/करनाल। उत्तरी हरियाणा के जिलों में शुक्रवार और शनिवार को भारी बारिश हो सकती है। वहीं समूचे प्रदेश में 12 तक हल्की बारिश का पूर्वानुमान है। इधर, वीरवार को अंबाला में सर्वाधिक 16.2 एमएम बारिश दर्ज की गई। नारनौल में छह एमएम बारिश हुई। अधिकांश जिलों में दिन भर बादल रहे लेकिन बारिश नहीं हुई। उमस भरी गर्मी से लोग परेशान रहे। मौसम विभाग के अनुसार हरियाणा के उत्तर-पूर्वी और उत्तरी हिस्सों, चंडीगढ़ व पंजाब में भारी बारिश की संभावना है। पंचकूला, अंबाला, करनाल, कैथल, कुरुक्षेत्र और यमुनानगर जिले में 10-12 जुलाई को अच्छी बारिश होगी। मौसम विभाग ने इन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। भिवानी में सर्वाधिक तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक जून से वीरवार सुबह साढ़े आठ बजे तक प्रदेश में 83.8 एमएम बारिश हो चुकी है। जो सामान्य से तीन फीसदी अधिक है। वहीं वीरवार को प्रदेश में 5.7 एमएम औसत बारिश दर्ज की गई। द्यूसे

मानसून की टर्फ रेखा अब मैदानी क्षेत्रों से हिमालय की तलहटियों की तरफ बढ़ रही है। इससे बगल की नमी बाली हवाएं आने से उत्तरी हरियाणा, हिमाचल, पंजाब और उत्तराखण्ड में अधिक बारिश होगी। - डॉ. मदन खींचड़, अध्यक्ष, कृषि मौसम विभाग, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज़	09.07.2020	--	--

**हकूमि कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान किया**

### **'मेरा पानी व मेरी विरासत' को साखित करने में मददगार साखित होगी धान की सीधी बिजाई : प्रो. सिंह**

#### पांच बजे न्यूज़

हिसार। प्रदेश में भूजल के गिरते स्तर व रिचर्ज को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए नोट 'मेरा पानी व मेरी विरासत' को साथक सिद्ध करने में धान की सीधी बिजाई भवित्वार साखित होगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान करते हुए व्यक्त किया। वे धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श कर रहे थे। उहोंने कहा कि 'मेरा पानी मेरी विरासत' व प्रवासी मजदूरों की समस्या को धान में रखते हुए किसानों द्वारा कफी क्षेत्रफल में सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतवीर धान को विभिन्न किसानों की सीधी बिजाई की गई है। उहोंने बताया कि किसानों ने खेतों के फसल अच्छी खड़ी थी व किसान भी सीधी बिजाई करके खुश थे। रखते हुए किसानों द्वारा कफी क्षेत्रफल में सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतवीर धान को विभिन्न किसानों की सीधी बिजाई को गई है। उहोंने बताया कि किसानों ने धान की सीधी बिजाई और धान के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग को देखारेख में की है। प्रो. सिंह ने बताया कि फतेहबाद जिले

के गतिया, भूना, फतेहबाद व टोहाना क्षेत्रों में लगभग 1200 एकड़ भूमि में धान की सीधी बिजाई की गई है।

वैज्ञानिकों की टीम ने किया खेतों

का दौरा, समस्या निदान की दी सलाह

हकूमि के सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतवीर सिंह पूनिया, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग से डॉ. मुख्यमित्र दंदीवाल, वैज्ञानिक डॉ. टोडर मल पूनिया व सस्य विज्ञान विभाग के वरिष्ठ तकनीकी

सहायक मनजीत जाखड़ की टीम ने धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श कर रहे थे।

उहोंने कहा कि 'मेरा पानी मेरी विरासत' व प्रवासी मजदूरों की समस्या को धान में

रखते हुए किसानों द्वारा कफी क्षेत्रफल में

सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतवीर

धान को विभिन्न किसानों की सीधी बिजाई

की गई है। उहोंने बताया कि केवल टोहाना के

कुछ क्षेत्रों में बिजाई के तुन्त बाद वारिश

आने व करंड तोड़े के लिए किसानों द्वारा

बार-बार खेत की सिंचाई करने पर

के क्षेत्र विज्ञान विभाग को देखारेख में की

के काफी किसानों ने ग्रामजुरों की



#### खेतों द्वारा छिड़काव

खेतों का दौरा करने के बाद वैज्ञानिकों ने बताया कि धान की सीधी बिजाई में खरपतवारों द्वारा नुकसान ही पैदावार में कमी का सबसे बड़ा कारण है। बिजाई के 25 - 30 दिन बाद काफी खरपतवार उग जाते हैं। इसलिए किसान समय रहते इन खरपतवारों की पहचान करने से खरपतवारानाशील द्वारा उनका नियंत्रण करें। अगर खरपतवारानाशीलों के सही समय व मात्रा का उपयोग करने के साथ काशत के सही ढांग अपनाये जाएं तो खरपतवारों के सही रोकथाम हो जाती है तथा धान की पैदावार कहू काके लगाई गई धान धान की पराली व गेहूं का नाड़ जलाने पर प्रतिक्रिया लगाने की वजह से गेहूं व धान की फसल में सस्य क्रियाओं में बदलाव से कुछ खेतों में चूहों की समस्या ज्यादा भी देखने को मिली, जिसके नियंत्रण हेतु कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को विभिन्न रसायनिक व पारामर्शिक विधियों के बारे में जानकारी दी गई। खरपतवारों की समस्या पैदा हुई थी। इस क्षेत्र के काफी किसानों ने ग्रामजुरों की

आसानी की उपलब्धता होने से सीधी बिजाई वाले खेतों के कूटू काके धान की परीक्षा निरीक्षण किया। टीम सदस्यों ने बताया कि किसानों की फसल अच्छी खड़ी थी व किसान भी सीधी बिजाई करके खुश थे।

सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतवीर

धान को विभिन्न किसानों की सीधी बिजाई

को गमीली, जिसके नियंत्रण हेतु कृषि

वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को विभिन्न

रसायनिक व पारामर्शिक विधियों के बारे में

जानकारी दी गई।

खरपतवारों पर नियंत्रण जरूरी, ऐसे

को भी मारता है। इसके अलावा धान जाति

के खरपतवार जैसे कि मध्याना, मकड़ा, चौंटी घास, पैरा घास, तकड़ी घास आदि उगने पर गईसस्टर 6.7 प्रतिशत (फिनोक्साप्रोपी ईथाईल) 400 मिलीलीटर प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। वैज्ञानिकों के इनसिएटिकिसान समय रहते इन खरपतवारों की अनुसार आग धान में चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार (मिचं बुटी, तांदला, कोधा, संठी, कनकुआ, चौलाई, हुलहूल इत्यादि) व मोथा जाति (गांठ वाला मोथा, छातरी वाला मोथा, बड़ा काली गांठ वाला डीला) उग आए तो एलमिक्स 8 ग्राम या सनराइस 50 ग्राम या 2,4 डी 500 मिलीलीटर प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। सभी खरपतवारानाशीलों का छिड़काव पहले दिन खेत में से पानी निकालकर 120 लीटर पानी गोल या तारक (विसपाईरी बैक सोडियम), 100 मिलीलीटर प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। चौंटी घास के लिए विवाया (पीनोक्सलूमन साइट्लॉफोन मिथाईल) 900 मिलीलीटर प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें।

खेत में एक से ज्यादा नदीनाशकों का प्रयोग करना पड़े तो छिड़काव में एक साला का

अन्तर जरूर रखें। कभी भी दो दबाइयों को

मिलाकर छिड़काव न करें।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	09.07.2020	--	--

**‘मेरा पानी व मेरी विरासत’ को साबित करने में मददगार साबित होगी धन की सीधी बिजाई : प्रोफेसर के.पी. सिंह**

सिटी फ्लॅट्स न्यूज़, हिसार। प्रदेश में भूजल के गिरते स्तर व रीचांच को लेकर प्रदेश समाचार द्वारा दिए गए नये 'मेरा पानी व मेरी विसरास' को साथंक मिलदू करने में धन की सीधी बिजाई मददगार साबित होती। उक्त विचार चौथी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों से धन की सीधी रोपाई करने का आह्वान करते हुए व्यक्त किया। वे धन की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'मेरा पानी मेरी विसरास' व प्रवासी मजदूरों की समस्या को धन में रखते हुए किसानों द्वारा काफी क्षेत्रफल में धन



की विभिन्न क्रिस्मों की सीधी विजाई की गई है। उहाँने बताया कि क्रिस्मों ने धन की सीधी विजाई प्रदेशों के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय के सम्युक्त विज्ञान विभाग की देखरेख में की है। प्रोफेसर के पांसे सिंह ने बताया कि फटोहावाद जिले के गंगीया, भूना, फटोहावाद व टोहान क्षेत्रों में लगभग 1200 एकड़ भूमि में धन की सीधी विजाई की गई है।

वैज्ञानिकों की टीम ने किया खेतों का दौरा, समस्या निदान की दी मलाह

विश्वविद्यालय के सम्बन्धित विभाग के अध्यक्ष डॉ. सत्येंद्र सिंह पूर्णिया, कौशल एवं किसान कल्याण रिटेलर्स से डॉ. मुख्यविद्यर दंडीवाल, वैज्ञानिक डॉ. टोडग मल पूर्णिया व सम्बन्धित विभाग के वरिष्ठ तकनीकी सहायक मनजीत जाखड़ की टीम ने धन की सीधी विजाइंट किए गए किसानों के खेतों का निरीक्षण किया। टीम सदस्यों ने बताया कि किसानों की फसल अच्छी खट्टी थी व किसान भी सीधी विजाइंट काके खुश थे। सम्बन्धित विभाग के अध्यक्ष डॉ. सत्येंद्र सिंह पूर्णिया ने बताया कि केवल टोहाना के कुछ खेतों में विजाइंट के तुन बाद चारिश आने वे कारंडोगेरों के लिए किसानों

द्वाग बार-बार खेत की सिंचाई करने पर खरपतवारों की समस्या पैदा हुई थी। इस क्षेत्र के काफी किसानों ने प्रवासी मजदूरों की आसानी की उपलब्धता होने से सीधी बिनाई बाले खेतों के कहूँ कारंग धन की परीकी लगा दी है। इसके अलावा प्रदेश सरकार द्वाग धन की परीकी व गेहूँ का नाड़ जलाने पर प्रतिक्रिया लाने की वजह से गेहूँ व धन की फसल में सयं क्रियाओं में बदलाव से कुछ खेतों में चूहों की समस्या ज्ञाता भी देखने को मिली, जिसके नियन्त्रण हेतु कृषि वैज्ञानिकों द्वाग किसानों को विभिन्न रसायनिक व पारामर्शिक विधियों के बारे में जानकारी दी गई। खरपतवारों पर नियन्त्रण जहरी, ऐसे कांड द्वाग छिड़काव खेतों का दौरा करने के बाद वैज्ञानिकों ने बताया कि धन की सीधी विजाई में खरपतवारों द्वाग नुकसान ही पैदावार में कमी का सबसे बढ़ा कारण है। विजाई के 25-30 दिन बाद काफी खरपतवार उत्तरापि होता है तथा इसके अलावा किसान समय रहते इन खरपतवारों की पहचान करके खरपतवारनाशी द्वाग उनका नियन्त्रण करते। अगर खरपतवारनाशीयों के सही समय व मात्रा का उपयोग करने के साथ कारत के सही ढांचा अपनाये जाएँ तो खरपतवारों के सही रोकथाम हो जाती है तथा धन की पैदावार कहुँ करके लगाई हुई धन के बगावर ही होती है।

रतिया, मूना, फतेहबाद  
व टोहना क्षेत्रों में  
लगभग 1200 एकड़ में  
है धान की सीधी बिजाई



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	09.07.2020	--	--

# धान की सीधी बिजाई लाभदायक : कुलपति

हिसार/09 जुलाई/रिपोर्टर

प्रदेश में भूजल के गिरते स्तर व रिचार्ज को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए नारे 'मेरा पानी व मेरी विरासत' को सार्थक सिद्ध करने में धान की सीधी बिजाई मददगार साबित होगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान करते हुए व्यक्त किए। वे धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'मेरा पानी मेरी विरासत' व प्रवासी मजदूरों की समस्या को ध्यान

में रखते हुए किसानों द्वारा काफी क्षेत्रफल में धान की विभिन्न किस्मों की सीधी बिजाई की गई है। उन्होंने बताया कि किसानों ने धान की सीधी बिजाई प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय के सत्य विज्ञान विभाग की देखरेख में की है। प्रोफेसर केपी सिंह ने बताया कि फतेहबाद जिले के रतिया, भूना, फतेहबाद व टोहाना क्षेत्रों में लगभग 1200 एकड़ भूमि में धान की सीधी बिजाई की गई है। सत्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर सिंह पूनिया व उनकी टीम सदस्यों ने बताया कि किसानों की फसल अच्छी खट्टी थी व किसान भी सीधी बिजाई करके खुश थे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

### लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	09.07.2020	--	--

## हरे चारे के साथ-साथ आमदनी बढ़ाने में भी सहायक ज्वार की फसल : प्रोफेसर के.पी. सिंह

### पाठकपक्ष न्यूज़

हिसार, 9 जुलाई : चारा फसलों में किसान ज्वार की बिजाई कर हरे चारे के साथ-साथ अपनी आमदनी का जरिया भी बढ़ा सकते हैं। इसके लिए किसानों को उन्नत किस्मों के अधिक उत्पादन देने वाले बीज ही प्रयोग करने चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों को सलाह देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश की अर्थव्यवस्था में पशुधन एवं पशुपालकों का महत्वपूर्ण स्थान है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में 70 से 80 प्रतिशत लोगों की आजीविका का साधन आज भी कृषि व पशुपालन है। इसलिए पशुओं के अच्छे स्वास्थ्य व अधिक पशु उत्पादन के लिए गुणवत्तापूर्ण हरे चारे की उपलब्धता अत्यावश्यक है। चारा



फसलों में ज्वार गर्मी व खरीफ मौसम की एक महत्वपूर्ण फसल है। हरे चारे के रूप में ज्वार पशुओं की पहली पसन्द है। उन्होंने कहा कि किसान अपने पशुओं के लिए चारे की आपूर्ति करने के साथ-साथ हरे चारे की बिक्री कर अपनी आमदनी भी बढ़ा सकते हैं, क्योंकि हरे चारे में ज्वार की डिमांड बहुत अधिक रहती है और यह प्रतिकुल परिस्थितियों में भी बोई जा सकती है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि हरा व मीठा चारा, जल्द बढ़ने की क्षमता और अधिक चारा उत्पादन का गुण ही ज्वार को आदर्श चारा फसल बनाता है। ज्वार के हरे चारे में पौष्टिकता की दृष्टि से प्रोटीन (7 से 10 प्रतिशत), फाइबर (30 से 32 प्रतिशत) और लिग्निन (6 से 7 प्रतिशत) पाए जाते हैं जो अन्य चारों की अपेक्षा इसकी पाचन क्रिया, स्वादिष्टता एवं पशु स्वास्थ्य को बनाए रखने में अधिक उपयोगी होते हैं। आनुवांशिकी व पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. डीएस फोगाट, ज्वार विषेशज्ञ डॉ. सतपाल व ज्वार प्रजनक डॉ. पम्मी कुमारी ने बताया कि किसान ज्वार की उन्नत किस्में लगाकर किसान चारा उत्पादन के साथ-साथ अपनी आमदनी भी बढ़ा सकते हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	09.07.2020	--	--

### ‘मेरा पानी व मेरी विरासत’ को साबित करने में मददगार होगी धान की सीधी बिजाई : प्रो. सिंह

#### पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 9 जुलाई : प्रदेश में भूजल के गिरते स्तर व रिचार्ज को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए नारे ‘मेरा पानी व मेरी विरासत’ को सार्थक सिद्ध करने में धान की सीधी बिजाई मददगार साबित होगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान करते हुए व्यक्त किए। वे धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ‘मेरा पानी मेरी विरासत’ व प्रवासी मजदूरों की समस्या को ध्यान में रखते हुए किसानों द्वारा काफी क्षेत्रफल में धान की विभिन्न किस्मों

की सीधी बिजाई की गई है। उन्होंने बताया कि किसानों ने धान की सीधी बिजाई प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग की देखरेख में की है। प्रोफेसर के.पी. सिंह ने बताया कि फतेहाबाद जिले के रतिया, भूना, फतेहाबाद व टोहाना क्षेत्रों में लगभग 1200 एकड़ भूमि में धान की सीधी बिजाई की गई है। सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर सिंह पूनिया, कृषि एवं किसान कल्याण रतिया से डॉ. सुखविन्दर दंदीवाल, वैज्ञानिक डॉ. टोडर मल पूनिया व सस्य विज्ञान विभाग के वरिष्ठ तकनीकी सहायक मनजीत जाखड़ की टीम ने धान की सीधी बिजाई किए गए किसानों के खेतों का निरीक्षण किया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	09.07.2020	--	--

# ‘मेरा पानी व मेरी विरासत’ को साबित करने में मददगार साबित होगी धान की सीधी बिजाई : प्रो. केपी सिंह

**हृषि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आहान किया**

### नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। प्रदेश में भूजल के गिरते स्तर व रिचार्ज को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए नारे ‘मेरा पानी व मेरी विरासत’ को सार्थक सिद्ध करने में धान की सीधी बिजाई मददगार साबित होगी।

उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आहान करते हुए व्यक्त किए। वे धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ‘मेरा पानी मेरी विरासत’ व प्रवासी मजदूरों की समस्या

को धान में रखते हुए किसानों द्वारा काफी निरीक्षण किया। टीम सदस्यों ने बताया कि क्षेत्रफल में धान की विभिन्न किस्मों की सीधी किसानों की फसल अच्छी खड़ी थी व किसान बिजाई की गई है। उन्होंने बताया कि किसानों ने भी सीधी बिजाई करके खुश थे। सस्य विज्ञान धान की सीधी बिजाई प्रदेश के कृषि एवं किसान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर सिंह पूनिया ने कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग की देखरेख में की है। प्रोफेसर के.पी. सिंह ने बताया कि फतेहाबाद जिले के रतिया, भूना, फतेहाबाद व टोहाना क्षेत्रों में लगभग 1200 एकड़ भूमि में धान की सीधी बिजाई की गई है। **वैज्ञानिकों की टीम ने किया खेतों का दौरा** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर सिंह पूनिया, कृषि एवं किसान कल्याण रतिया से डॉ. सुखविन्दर दंदीबाल, वैज्ञानिक डॉ. टोडर मल पूनिया व सस्य विज्ञान विभाग के वरिष्ठ तकनीकी सहायक मनजीत जाखड़ की टीम ने धान की सीधी बिजाई किए गए किसानों के खेतों का



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जीवन आधार)	09.07.2020	--	--

### हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान किया

हिसार,

प्रदेश में भूजल के गिरते स्तर व रिचाजि को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए नारे 'मेरा पानी व मेरी विरासत' को सार्थक सिद्ध करने में धान की सीधी बिजाई मददगार साबित होगी। इसलिए किसानों को धान की सीधी रोपाई करनी चाहिए।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान करते हुए कही। वे धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'मेरा पानी व मेरी विरासत' व प्रवासी मजदूरों की समस्या को ध्यान में रखते हुए किसानों द्वारा न्यायि शेनाफ्टल में शाज तक्ति तिथिज्ञ तिथियों तकि शीघ्री त्रित्यार्थ



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	09.07.2020	--	--

### मेरा पानी व मेरी विरासत' को साबित करने में मददगार साबित होगी धान की सीधी बिजाई : प्रोफेसर के.पी. सिंह

July 9, 2020 • Rakesh • Haryana News

हिसार : 9 जुलाई

प्रदेश में भूजल के गिरते स्तर व रिचाज को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए नारे 'मेरा पानी व मेरी विरासत' को सार्थक सिद्ध करने में धान की सीधी बिजाई मददगार साबित होगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों से धान की सीधी रोपाई करने का आह्वान करते हुए व्यक्त किए। वे धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा करने वाले वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'मेरा पानी मेरी विरासत' व प्रवासी मजदूरों की समस्या को ध्यान में रखते हुए किसानों द्वारा काफी क्षेत्रफल में धान की विभिन्न किस्मों की सीधी बिजाई की गई है। उन्होंने बताया कि किसानों ने धान की सीधी बिजाई प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग की देखरेख में की है। प्रोफेसर के.पी. सिंह